

२२/२/२५

पताबली पेरा हूँ । प्रकरण में वादीगण अनुपास्मित । वादीगण
को शूचता जरिने रजि. मब से नेने हूँ प्रक मनीं से अधिक
का सत्तप हो चुका हँ । वादीगण अनुपास्मित । आतापे दिलनाई
गई । सत्तप सांन डएन हो चुका हँ । अतः वादीगण के अनुपास्मित
रहने पर वादी का वाप अफम हाजरी/अफम पैसली में खरिज
किया जाता हँ । पताबली मॉसल शुक्राट धंकर मकबद से कत ही
निर्णय सुवाभा मका ।